करेंट अफेयर्स 4 अगस्त 2022

राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति (एनजीपी)

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -II (सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप), जीएस पेपर -III (अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी)

Google ने अपनी स्ट्रीट व्यू सर्विसेज के हिस्से के रूप में 10 भारतीय शहरों के लिए 360-डिग्री इंटरैक्टिव पैनोरमा फीचर लॉन्च किया, जिसे **प्रोजेक्ट गुलिफाई** के रूप में भी जाना जाता है।

यह नई राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति 2021 द्वारा संभव हो पाया है। नीति स्थानीय कंपनियों को इस प्रकार के डेटा को इकट्ठा करने और इसे दूसरों को लाइसेंस देने की अनुमति देती है, जिससे यह पहला देश बन जाता है जहां स्ट्रीट व्यू मुख्य रूप से भागीदारों द्वारा सक्षम किया जाता है।

राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति के बारे में

- एनजीपी **को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- यह डीएसटी के साथ-साथ इसकी राज्य और केंद्रीय साझेदार एजेंसियों (जैसे, सरकारी विभागों, नियामक प्राधिकरणों, आदि) के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है ताकि भू-स्थानिक डेटा के उपयोग तक पहुंच और बढ़ावा दिया जा सके।
- इसका उद्देश्य भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भू-स्थानिक उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है।
- इसका उद्देश्य भू-स्थानिक उत्पादों और सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना, भू-स्थानिक डेटा से उपयोगी अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना और भारत के भू-स्थानिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ क्षमताओं को मजबूत करना है।

नीति की मुख्य विशेषताएं

भू-स्थानिक डेटा संवर्धन और विकास समिति (GDPDC):

- भारत में भू-स्थानिक डेटा पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने के लिए एक बहु-विषयक विशेषज्ञ समिति, GDPDC मौजूदा राष्ट्रीय स्थानिक डेटा समिति की जगह लेगी।
- इसे एक उच्च संकल्प राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डेटाबेस को**बनाने** के लिए भारतीय सर्वेक्षण के साथ काम करने का काम सौंपा जाएगा और यह केंद्र और राज्य स्तर पर **"लीड एजेंसियों" का निर्माण करेगा**।

लीड एजेंसियों के कार्य:

- प्रमुख एजेंसियां एनजीपी के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाएंगी। ये लीड एजेंसियां क्षेत्र विशिष्ट ज्ञान भी प्रदान करेंगी।
- यह नेशनल फाउंडेशन भू-स्थानिक डेटा परिसंपत्ति और राष्ट्रीय विषयगत भू-स्थानिक डेटा परिसंपत्ति के तहत डेटा विषयों के संकलन में सहायता करेगा।

राष्ट्रीय डेटा रजिस्ट्री (NDR) और जियो-प्लेटफ़ॉर्म:

- **एनडीआर** का प्रचालन सकल घरेलू उत्पाद विकास विभाग द्वारा किया जाएगा ताकि भू-स्थानिक आंकड़ों तक पहुंच और दोहन किया जा सके।
- राज्य और केन्द्रीय स्तर की साझेदारी एजेंसियां डाटा नोड्स के माध्यम से आंकड़े प्रदान कर सकती हैं।
- राज्य अथवा केन्द्रीय स्तर की एजेंसियों से भू-स्थानिक आंकड़े, मेटाडेटा और आंकड़े भू-प्लेटफार्म के माध्यम से उपलब्ध होंगे।
- GDPDC अपने मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत NDR के साथ-साथ जियो-प्लेटफ़ॉर्म को विकसित और संचालित करने के लिए एक साझेदारी एजेंसी को नामित करेगा।

कुशल कार्यबल:

- एनजीपी सर्वेक्षण के पेशे को बढ़ावा देने के लिए सर्वेक्षकों के पंजीकरण की वकालत करता है, जिसमें पेशेवर मानकों और प्रत्यायन के साथ चिकित्सा और कानूनी पेशेवरों की तुलना में मान्यता होती है।
- इसके अलावा, यह प्रस्ताव करता है कि राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद और भू-स्थानिक उद्योग एक राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा और एक भू-स्थानिक क्षेत्र कौशल परिषद विकसित करने के लिए सहयोग करें।

अर्थ

- Google मानचित्र के साथ अपने एकीकरण के कारण, सड़क दृश्य का अधिक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, सड़क की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने में उपयोगकर्ताओं की सहायता करना, और स्थानीय व्यवसायों की खोज करना।
- Google मानचित्र ने 9 शहरों के लिए भीड़ डेटा के साथ-साथ बेंगलुरु के साथ-साथ चंडीगढ़ के लिए गति सीमा डेटा जोड़ने की घोषणा की है।
- यह पर्यावरण अंतर्दृष्टि एक्सप्लोरर टूल भी विकसित कर रहा है, जो योजनाकारों को यातायात पैटर्न के आधार पर उत्सर्जन को मापने के द्वारा शहरों में उत्सर्जन को कम करने के तरीके को बेहतर ढंग से समझने की अनुमति देगा। कुछ शहरों में, यह स्थानीयकृत सड़क-स्तरीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) संख्याओं को भी प्रदर्शित करना शुरू कर देगा।
- यह डेटा बुनियादी ढांचे की योजना में सहायता करेगा और नए उपयोग के मामलों को चिंगारी देगा, जैसे कि भारत में स्वायत्त वाहनों के लिए आधार डेटा का निर्माण।

संसद ने सामूहिक विनाश के हथियारों के वित्तपोषण पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक पारित किया

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -II (संसद और राज्य के विधायी, कामकाज और व्यापार का संचालन, बड़े पैमाने पर विनाश के हथियार)

संसद ने एक विधेयक **(सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) संशोधन विधेयक, 2022)** पारित किया जो सामूहिक विनाश के हथियारों के वित्तपोषण पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है और केंद्र को ऐसी गतिविधियों में लगे लोगों की वित्तीय संपत्तियों और आर्थिक संसाधनों को फ्रीज करने, जब्त करने या संलग्न करने का अधिकार देता है।

पिछला अधिनियम, सामूहिक विनाश के हथियार, और उनके वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) अधिनियम, 2005 में पारित किया गया था, केवल बड़े पैमाने पर विनाश के हथियारों के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

प्रमुख संशोधन

- **धारा 12 ए:** संशोधन विधेयक मौजूदा कानून में एक नई धारा 12 ए को सम्मिलित करने का प्रयास करता **है जिसमें कहा गया है कि "कोई भी व्यक्ति इस अधिनियम के तहत या संयुक्त राष्ट्र (सुरक्षा परिषद) अधिनियम, 1947 या किसी अन्य प्रासंगिक अधिनियम के तहत निषिद्ध किसी भी गतिविधि को वित्त पोषित नहीं करेगा,** या इस तरह के किसी भी अधिनियम के तहत जारी किए गए आदेश द्वारा, बड़े पैमाने पर विनाश के हथियारों और उनके वितरण प्रणालियों के संबंध में।
- **ऐसी गतिविधियों के वित्तपोषण को रोकें:** व्यक्तियों को ऐसी गतिविधियों के वित्तपोषण से रोकने के लिए, केंद्र सरकार धन, वित्तीय परिसंपत्तियों, या आर्थिक संसाधनों (चाहे स्वामित्व, आयोजित या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित हो) को फ्रीज, जब्त या संलग्न कर सकती है।
- **वित्त या संबंधित सेवाओं को उपलब्ध होने से रोकें:** यह व्यक्तियों को किसी भी गतिविधि के संबंध में अन्य व्यक्तियों के लाभ के लिए वित्त या संबंधित सेवाओं को उपलब्ध कराने से भी रोक सकता है जो निषिद्ध है।

सामूहिक विनाश के हथियार

- ये **इतने बड़े पैमाने पर और इतने अंधाधुंध रूप से मौत और विनाश करने की क्षमता वाले हथियार हैं कि शत्रुतापूर्ण शक्ति के हाथों में इसकी उपस्थिति को एक गंभीर खतरा माना जा सकता है।**
- बड़े पैमाने पर विनाश के आधुनिक हथियार या तो **परमाणु, जैविक, या रासायनिक हथियार हैं - जिन्हें अक्सर सामूहिक रूप से एनबीसी हथियारों के रूप में जाना जाता है।**
- सामूहिक विनाश के हथियार शब्द कम से कम 1937 से मुद्रा में हैं, जब इसका उपयोग बमवर्षक विमानों की बड़े पैमाने पर संरचनाओं का वर्णन करने के लिए किया गया था।

उदाहरण के लिए, हिरोशिमा में इस्तेमाल किए गए परमाणु बम **और जापान में नागासाकी हमले।**

- WMD के प्रसार को नियंत्रित करने के प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों में शामिल किया गया है जैसे:

1. **1968 की परमाणु अप्रसार संधि**

2. 1972 के जैविक हथियार सम्मेलन

3. 1993 के रासायनिक हथियार कन्वेंशन

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

उद्यम पोर्टल

- **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय** के उद्यम पोर्टल पर पंजीकरण 1 करोड़ के मील के पत्थर तक पहुंच गया।
- यह 2020 में एमएसएमई के स्वैच्छिक पंजीकरण के लिए शुरू किया गया था ताकि एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं का लाभ उठाया जा सके और प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लिए।
- यह नया पोर्टल **देश में एमएसएमई की संख्या के आंकड़ों को एकत्रित करने में सरकार की सहायता करता है।**

ज् एमएसएमई की पहचान **निवेश और वाषक कारोबार के समग्र मानदंडों पर की जाती है।**

- यह पूरी तरह से डिजिटलीकृत है और पंजीकृत एमएसएमई को एक **उद्यम पंजीकरण प्रमाण पत्र** जारी किया जाता है।

वित्तीय समावेशन सूचकांक

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने **31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए समग्र वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-Index) जारी किया है।**

ज् यह एक व्यापक सूचकांक है जिसमें सरकार और संबंधित क्षेत्रीय विनियामकों के परामर्श से **बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक के साथ-साथ पेंशन क्षेत्र** के ब्यौरे शामिल हैं।

- इसे 2021 में आरबीआई द्वारा बिना किसी 'आधार वर्ष' के विकसित किया गया था, और हर साल जुलाई में प्रकाशित किया जाता है।
- भारत का वित्तीय समावेशन सूचकांक **पिछले वर्ष 2021 में 53.9 से सुधरकर 56.4 हो गया है।**
- सुधार इसके सभी उप-सूचकांकों (पहुंच, उपयोग और समानता) में देखा गया है।

नरकफायर R9X मिसाइल

- अमेरिकी सेना ने काबुल में एक सुरक्षित घर की बालकनी में **अलकायदा प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी** को मारने के लिए अपने **'गुप्त हथियार' - हेलफायर आर 9 एक्स मिसाइल ('निंजा मिसाइल')** का इस्तेमाल किया।
- एजीएम -114 आर 9 एक्स के रूप में सैन्य हलकों में बेहतर जाना जाता है, **हेलफायर आर 9 एक्स एक अमेरिकी मूल** की मिसाइल है जो व्यक्तिगत लक्ष्यों को शामिल करते समय न्यूनतम संपार्श्विक क्षति का कारण बनती है।
- इसका **वजन करीब 45 किलोग्राम है** और इस मिसाइल को **हेलीकॉप्टर, विमान और हम्वीस से भी लॉन्च किया जा सकता है।**
- इन मिसाइलों की रेंज**500 मीटर से 11 किमी तक भिन्न होती है।**

हेलफायर का मतलब **हेलीबोर्न, लेजर, फायर और फॉरगेट मिसाइल अल-जवाहिरी,** एक मिस्र के सर्जन, जिनके सिर पर $ 25 मिलियन का इनाम था, ने 11 सितंबर, 2001 को समन्वयित करने में मदद की थी, हमलों में 3,000 लोग मारे गए थे।

एस्ट्रोबी

- एस्ट्रोबी नासा की नई **फ्री-फ्लाइंग रोबोटिक प्रणाली है।**
- एस्ट्रोबी में एक प्रणाली भी होती है जो एक शोध मंच के रूप में कार्य करती है जिसे माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों का संचालन करने के लिए आउटफिट और प्रोग्राम किया जा सकता है। इस प्रकार, यह इस बारे में अधिक जानने में मदद करेगा कि रोबोटिक्स अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों को कैसे लाभान्वित कर सकते हैं।
- तीन मुक्त उड़ान रोबोट ोें **को हनी, क्वीन और बंबल** नाम दिया गया है। रोबोट 12.5 इंच चौड़े क्यूब्स की तरह आकार के होते हैं।
- **एस्ट्रोबी सिस्टम में तीन क्यूब-आकार के रोबोट, कुछ सॉफ्टवेयर और रिचार्जिंग के लिए उपयोग किया जाने वाला डॉकिंग चार्जिंग स्टेशन होता है।** वे लगभग 32 सेंटीमीटर चौड़े होते हैं।

- तीन रोबोट खुद को बिजली के प्रशंसकों का उपयोग करके आगे बढ़ाते हैं जो उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के माइक्रोग्रैविटी वातावरण के माध्यम से उड़ान भरने की अनुमति देते हैं।
- एस्ट्रोबी रोबोट ों **को SPHERES (सिंक्रनाइज़ पोजिशन होल्ड, एंगेज, रीओरिएंट, एक्सपेरिमेंटल सैटेलाइट) रोबोटों के संचालन से प्राप्त ज्ञान** पर बनाया गया है जो एक दशक से अधिक समय से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम कर रहे हैं।

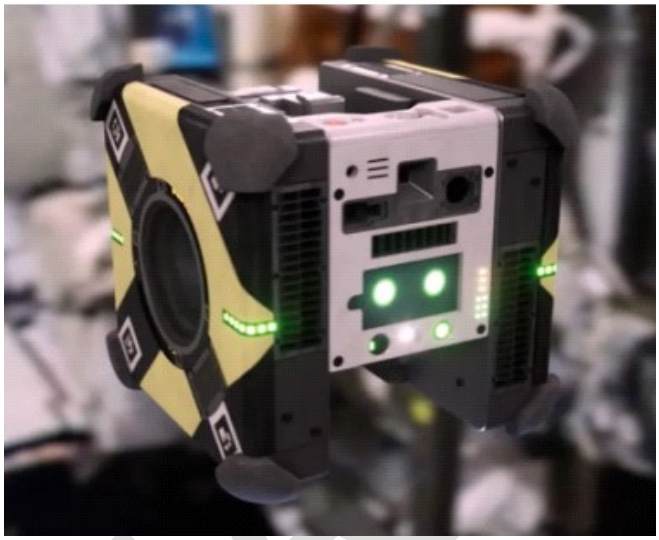

पिंगली वेंकाय्या

- राष्ट्र ने भारत के **राष्ट्रीय ध्वज के निर्माता पिंगली वेंकय्या को श्रद्धांजलि अर्पित की।**
- **आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले** में जन्मे, वह एक स्वतंत्रता सेनानी और एक गांधीवादी थे जो स्वतंत्र और स्वतंत्र भारत की भावना का पर्याय बन गए।
- उन्होंने **1921 में राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक के** लिए नया ध्वज तैयार किया। इसे आधिकारिक तौर पर 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा अपनाया गया था।
- यह **एक टेम्पलेट के रूप में कार्य करता** था जिस पर वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज विकसित हुआ था।